लखनऊ विश्वविद्यालय
University of Lucknow
(Accredited A++ by NAAC)

University in News on 07 June 2023

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि में छात्राओं को नए छात्रावास की सौगात जल्द

संवाद न्यूज एजेंसी

नवीन परिसर में गंगा छात्रावास बनकर तैयार, 200 बेड है इस हॉस्टल की क्षमता

लविवि में हॉस्टल गंगा बनकर तैयार है। -संवाद

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के जानकीपुरम स्थित नवीन परिसर में छात्राओं को जल्द नए छात्रावास की सौगात मिलने वाली है। गंगा छात्रावास लगभग बनकर तैयार है। नए सत्र से यहां फार्मेसी और प्रबंधन की छात्राओं को कमरे आवंटित करने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। हॉस्टल की क्षमता करीब 200 बेड की है।

लविवि के नवीन परिसर में अभी चार छात्रावास हैं। इनमें से दो छात्रों और दो छात्राओं के लिए हैं। फार्मेसी व प्रबंधन की छात्राओं को परिसर में हॉस्टल की सुविधा नहीं मिलने से काफी समस्या हो रही है। इसे देखते हुए विवि प्रशासन ने नया छात्रावास बनवाया है। बीते दिनों दीक्षांत समारोह में राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने इसका लोकार्पण भी किया था। छात्रावास में अधूरे काम अब पूरे हो चुके हैं। सत्र शुरू होते ही लड़कियों को कमरा आवंटन की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। अधिष्ठाता छात्र कल्याण प्रो. पूनम टंडन बताया कि विवि में छात्राओं की संख्या बढ़ी हैं। इनकी सहूलियत के लिए यह हॉस्टल शुरू किया जा रहा है।

आधुनिक सुविधाएं होंगी हॉस्टल में

प्रो. पूनम ने बताया कि गंगा छात्रावास में डाइनिंग, एक्टीविटी व कॉमन हॉल के अलावा वॉशिंग मशीन, गीजर, वाईफाई व खेलकूद सामग्री सहित अन्य सुविधाएं मिलेंगी। प्राथमिकता है कि फार्मेसी और मैनेजमेंट की प्रथम सेमेस्टर की छात्राओं को सबसे पहले छात्रावास में कमरे आवंटित हों। इसके बाद यदि कमरे खाली रहें तो एलएलबी की छात्राओं को आवंटित किए जाएं।

शोध में सुधार के लिए दो सौ एमओयू करेगा लविवि

लखनऊ। विजन प्लान में शोध की दशा सुधारने के लिए लविवि ने तीन सालों में कम से कम दो सौ एमओयू करने व इंडस्ट्री के माध्यम से कम से कम 25 करोड़ के वित्तीय अनुदान का लक्ष्य रखा है। राजभवन को शोध के तहत भेजे 10 वर्षीय विजन प्लान में विवि ने शून्य से तीन, तीन से सात और सात से दस सालों की योजना को शामिल किया है।

लविवि प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि 3-7 वर्षों की अवधि में विवि का उद्देश्य अनुसंधान के लिए सुविधाएं बनाना व उद्योग-पोषित अनुसंधान केंद्रों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकारी योजनाओं में सहयोग कर अनुदान स्रोत बढ़ाना है। इस दौरान क्लाउड कंप्यूटिंग प्लेटफॉर्म और उच्च प्रदर्शन कंप्यूटिंग क्लस्टर से कंप्यूटिंग क्षमता को बढ़ाना भी प्राथमिकता होगी।

सात से दस वर्षों के दीर्घावधि लक्ष्यों में केंद्रीकृत कम्प्यूटेशनल प्रयोगशाला, फार्मास्युटिकल उत्पाद विकास के लिए एकीकृत सुविधा को और बढ़ाने की योजना है। विवि का लक्ष्य अपने अनुसंधान के बुनियादी ढांचे का उपयोग करके डेटा विश्लेषण के लिए बिंदु स्रोत बनना है। डीन एकडमिक प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि शोध का उद्देश्य समाज को इसका सीधा लाभ देना है। (माई सिटी रिपोर्टर)

कैंपस प्लेसमेंट में आठ का चयन

लखनऊ। लविवि की सेंट्रल प्लेसमेंट सेल की कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव में आठ विद्यार्थियों का चयन हुआ। सांख्यिकी विभाग के छात्रों मुस्कान भामा, रिनी दुर्गापाल, आदित्य पांडेय, तुषार मौर्य और आकृति अग्रवाल को मर्सर कंपनी ने एक्चुअरियल एनलिस्ट के पद पर चुना। इन्हें सालाना छह लाख का पैकेज मिलेगा। इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट साइंसेज की प्लेसमेंट ड्राइव में ऐश्वर्या सक्सेना, अभिषेक, सिमरन अग्रवाल का अंटाल इंटरनेशनल नेटवर्क कंपनी में सह सलाकार के पद पर चयन हुआ। इन्हें छह लाख सालाना मिलेंगे। (संवाद)

एनसीसी कैडेट्स को मिली रैंक

लखनऊ। लविवि में मंगलवार को एनसीसी कैडेट्स को रैंक वितरण कार्यक्रम हुआ। सूबेदार मेजर भूपेंद्र सिंह, एनएनओ रजनीश कुमार यादव ने 64 यूपी बटालियन के कैडेट्स को बैच लगाकर रैंक प्रदान की। अभिषेक कुमार को सीनियर अंडर ऑफिसर, आयुष पटेल, रोहित चौरसिया व रोशनी कुमारी को अंडर ऑफिसर की रैंक दी गई। (संवाद)

गोमती किनारे नौकाओं पर किया योग

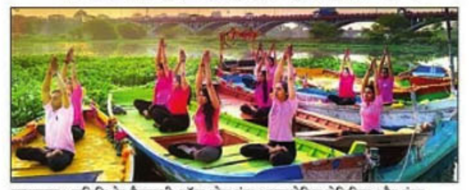

लखनऊ। लविवि के फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन और इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर योगिक साइंस ने मंगलवार को कुड़ियाघाट पर गोमती किनारे नौकाओं पर योगाभ्यास करवाया। डॉ. अमरजीत यादव ने बताया कि मान्यता है कि नाव पर योग का अभ्यास करने से फेफड़ों की कार्यक्षमता बढ़ती है। मौके पर रितिका मिश्रा, आस्था मिश्रा, स्मृति ओझा, संध्या कुशवाहा, अनामिका, यशी गुप्ता, लक्ष्मी रानी यादव, राजेंद्र दिवाकर, वर्षा, अर्चना, पुष्पा, नंदिता ने योगाभ्यास किया। (संवाद)

HINDUSTAN PAGE 9

साल 2025 तक 200 एमओयू किए जाएंगे, 25 करोड़ रुपये जुटाने का भी प्लान बनाया गया

एलयू अगले दस साल में शोध का प्रमुख केंद्र बनेगा

तैयारी

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय अगले दस वर्षों में कई क्षेत्रों में रिसर्च का मुख्य केंद्र बनेगा। साल 2025 तक 200 एमओयू किए जाएंगे। इंडस्ट्री से 25 करोड़ रूपये जुटाने का भी प्लान है। पीएचडी में अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ को सह पर्यवेक्षण बनाया जाएगा। जिससे एनईपी 2020 के तहत स्नातक की पढ़ाई कर रहे छात्र शिक्षण कार्य के साथ उसी क्षेत्र में अनुसंधान कर सकें। इन मुद्दों को एलयू ने अपने आगामी 10 वर्षीय रिसर्च विजन प्लान में रखा है।

एलयू ने अगले 10 वर्षीय विजन प्लान को तीन श्रेणी में बांट रखा है। इसमें शार्ट टर्म गोल (0-3 वर्ष) में शिक्षण को सीधे संबंधित क्षेत्रों में होने वाले अनुसंधान से जोड़ा जाएगा। मिड टर्म गोल (3-7 वर्ष) में शोध की सुविधाओं के लिए सरकारी योजनाओं और उद्योग-पोषित शोध केंद्रों को बढ़ाने पर ध्यान होगा।

इसके अलावा एलयू का प्लान क्लाउड कंप्यूटिंग प्लेटफॉर्म और आईएसटीईएम योजना से कंप्यूटिंग क्लस्टर के द्वारा कंप्यूटिंग क्षमता को बढ़ाने पर जोर होगा। वहीं जानकारी के अनुसार लांग टर्म गोल (7-10 वर्ष) में एलयू को डाटा एनालिसिस का मुख्य केंद्र बनाने, सेंट्रालाइज्ड कम्प्यूटेशनल लेबोरेट्री और आईएफसीपीपीडी (इंटीग्रेटेड फैसल्टी फॉर क्लिनिकल ट्रायल-रेडी फार्मास्यूटिकल प्रोडक्ट डेवलपमेंट) की स्थापना करने की योजना है।

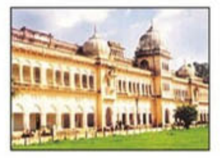

"एलयू का रिसर्च विजन प्लान अत्याधुनिक अनुसंधान के लिए बुनियादी ढांचे को विकसित करने पर केंद्रित है। प्रो. पूनम टंडन (अधिष्ठाता, अकादमिक)

"प्लान का अंतिम लक्ष्य अनुसंधान उत्कृष्टता के लिए पहचान बनाना है और भारत की ओर देख रहे अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों के लिए सभी अकादमिक विषयों में शोध भागीदार बनना है। - प्रो. आलोक कुमार राय, कुलपति

नए सत्र से गंगा हॉस्टल में आवंटन होगा

लखनऊ। एलयू के नवीन परिसर स्थित नवनिर्मित गंगा हॉस्टल में नए सत्र से आवंटन शुरू होगा। 200 बेड की क्षमता वाले हॉस्टल में फॉर्मेसी और मैनेजमेंट की छात्राओं को रहने की सुविधा दी जाएगी। अभी तक इन छात्राओं को इंजीनियरिंग गर्ल्स हॉस्टल आवंटित किया जाता था। डीएसडब्ल्यू ने बताया कि दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति द्वारा गंगा हॉस्टल का लोकार्पण किया गया था। इसमें सभी तरह की सुविधाएं मौजूद हैं। उन्होंने बताया कि नए सत्र में सबसे पहले प्रथम सेमेस्टर की छात्राओं को आवंटित किया जाएगा। सीटें बचने पर एलएलबी पांच वर्षीय छात्राओं को दी जाएगी।

एलयू से जुड़े यूजी कॉलेजों में चतुर्थ वर्ष में दाखिले नहीं

स्नातक

लखनऊ, संवाददाता। लखनऊ विश्वविद्यालय से सम्बद्ध स्नातक स्तर के महाविद्यालयों को स्नातक चतुर्थ वर्ष में प्रवेश लेने की अनुमति नहीं होगी। इसमें पढ़ने वाले छात्रों को दूसरे पीजी कॉलेज या विश्वविद्यालय में एड्मिशन लेना होगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के तहत चार वर्ष का स्नातक होता है। इसमें मल्टीपल एंट्री व एग्जिट के साथ ही 75 फीसदी से अधिक अंक लाने पर यूजी के चतुर्थ वर्ष में दाखिला मिलता है। इसके बाद बैचलर विद रिसर्च की डिग्री मिलती है। अन्यथा तीन वर्ष के बाद सिर्फ बैचलर की डिग्री दी जाती है। वहीं चार वर्ष का बैचलर करने वाले छात्रों को पीएचडी में सीधे दाखिले का मौका मिलता है। कुलसचिव संजय मेधावी ने बताया कि चार वर्षीय बैचलर प्रोग्राम सिर्फ पीजी कॉलेज ही चला सकेंगे। क्योंकि चतुर्थ वर्ष में पहुंचने वाले छात्रों को रिसर्च करनी होती है और ज्यादातर यूजी कॉलेजों में सभी विषयों की पढ़ाई नहीं होती है। कुलसचिव संजय मेधावी का कहना है कि चार वर्षीय बैचलर प्रोग्राम चलाने के लिए यूजी कॉलेजों को नए कोर्सों की सहयुक्तता लेनी पड़ेगी। जिसके लिए उन्हें सभी मानक पूर्ण करने होंगे।

एलयू द्वारा एनईपी-2020 के तहत संशोधित पीएचडी ऑर्डिनेंस तैयार किया जा रहा है। इसमें भी सिर्फ परास्नातक स्तर के महाविद्यालयों को ही पीएचडी कराने का प्रावधान रखा गया है। यानी अब यूजी कॉलेजों के पास पीएचडी कराने का अधिकार भी नहीं बचेगा।

छात्र सोच-समझकर लें इस बार एडमिशन

सत्र 2023-24 में दाखिले के लिए आवेदन कर रहे छात्रों को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि वह जिस कॉलेज में एड्मिशन ले रहे हैं वह पीजी कॉलेज है या नहीं। यह खासतौर पर उन छात्रों के लिए है जो भविष्य में रिसर्च संबंधित क्षेत्र में आगे बढ़ना चाहते हैं।

छात्रों को मिली नौकरी

एलयू के 11 विद्यार्थियों को नौकरी मिली है। इसमें सांख्यिकी विभाग के पांच और आईएमएस के छह छात्रों के नाम हैं। इनका चयन मर्सर और एंटाल इंटरनेशनल नेटवर्क कंपनी ने किया है। चयनितों को अधिकतम छह लाख रूपये सालाना का पैकेज मिला है। एलयू की सेंट्रल प्लेसमेंट सेल द्वारा प्लेसमेंट ड्राइव में ये मौके मिले।

पार्टटाइम पीएचडी : 50 में 36 सीटें रह गईं खाली

जासं, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय में इस बार पार्टटाइम पीएचडी में 50 सीटों के सापेक्ष सिर्फ 14 अभ्यर्थियों ने प्रवेश के लिए फीस जमा की है। कई विषयों में अर्ह अभ्यर्थी नहीं मिले तो कुछ में चयनित होने के बाद भी फीस नहीं जमा करने पहुंचे। वहीं, रेगुलर पीएचडी के भी कई विषय ऐसे हैं, जिनमें सीटें खाली रह गईं। इन खाली सीटों को नए सत्र के पीएचडी दाखिले में शामिल किया जाएगा।

लवि ने जनवरी में सत्र 2022-23 के पीएचडी दाखिले के लिए आवेदन प्रक्रिया शुरू की थी। रेगुलर में 39 विषयों में 1,244 और पार्टटाइम के 16 विषयों में पीएचडी की 50 सीटें निर्धारित की गईं। अब प्रवेश प्रक्रिया लगभग पूरी होने के बाद पार्ट टाइम की 50 सीटों में से सिर्फ 14 पर फीस जमा कर प्रवेश लिए गए हैं। डीन, एडमिशन प्रो. वीके शर्मा ने बताया कि पार्टटाइम पीएचडी में 50 में से 14 अभ्यर्थियों ने फीस जमा कर प्रवेश लिए हैं। कई विषयों में अभ्यर्थी अर्ह नहीं पाए गए।

लवि कुलपति ने साझा किए एनईपी के अनुभव

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय तमिलनाडु के राजभवन उधागामंडलम में राज्य विश्वविद्यालयों और प्राइवेट विश्वविद्यालयों के एक कांफ्रेंस में मंगलवार को बतौर वक्ता शामिल होने पहुंचे। उन्होंने लवि में एनईपी-2022 को लागू करने में अपने अनुभव को साझा किया। तमिलनाडु राज्य के सभी शासकीय व निजी विश्ववियालय के कुलपतियों ने इसे लागू करने में आने वाली चुनौतियों व विशेष परिस्थितियों के दृष्टिगत अपनाए जाने वाले मार्ग पर विस्तृत विमर्श किया। तमिलनाडु में राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू नहीं हो सकी है।

सेंटर फार एक्सीलेंस के लिए मांगा प्रस्ताव : लखनऊ विश्वविद्यालय ने वित्तीय वर्ष 2023-24 में सेंटर फार एक्सीलेंस योजना के तहत सभी विभागों से 30 जून तक प्रस्ताव देने के लिए कहा है। कुलसचिव संजय मेधावी ने संकायाध्यक्ष, विभागाध्यक्ष, निदेशक एवं समन्वयकों को पत्र जारी किया।

JAGRAN CITY PAGE I

परीक्षाएं आज से

लखनऊ : लवि में बुधवार को बीटेक सम सेमेस्टर की परीक्षाएं शुरू होंगी। पहले दिन बीटेक छठे सेमेस्टर रेगुलर, बैक पेपर व इवजेम्टेड की परीक्षाएं हैं। इसका समय दोपहर दो से शाम पांच बजे तक रहेगा। बीटेक आठवें सेमेस्टर, डीफार्मा प्रथम वर्ष(रेगुलर-कैरीओवर) और बीफार्मा चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं आठ जून से शुरू होंगी। (जासं)

लवि : आठ छात्र-छात्राओं का कैंपस प्लेसमेंट

जासं, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट आफ मैनेजमेंट साइंसेज (आइएमएस) के एमबीए (वित्त और नियंत्रण) की ऐश्वर्या सक्सेना, अभिषेक सिंह, एमबीए (मार्केटिंग) की सिमरन अग्रवाल को एंटाल इंटरनेशनल नेटवर्क कंपनी में छह लाख रुपये वार्षिक पैकेज पर एसोसिएट सलाहकार और सलाहकार के रूप में चुना गया।

'सेंट्रल प्लेसमेंट सेल' के माध्यम से सांख्यिकी विभाग की मुस्कान भामा, रिनी दुर्गापाल, आदित्य पांडेय, तुषार मौर्य और आकृति अग्रवाल को 'मर्सर' कंपनी ने एक्चुअरियल एनालिस्ट पर चयनित किया। ये सभी एमएससी सांख्यिकी चौथे सेमेस्टर के विद्यार्थी हैं। इन्हें छह लाख रुपये का सालाना पैकेज मिला है।

लवि : अभिषेक कुमार बने सीनियर अंडर आफिसर

अभिषेक कुमार

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के 64 यूपी बटालियन एनसीसी में सूबेदार मेजर भूपेंद्र सिंह और एनसीसी आफिसर डा. रजनीश कुमार यादव के नेतृत्व में कैडेटों को रैंक वितरित की गई। कैडेट अभिषेक कुमार ने सीनियर अंडर आफिसर, कैडेट आयुष कुमार पटेल, कैडेट रोहित चौरसिया व कैडेट रौशनी कुमारी ने अंडर आफिसर की रैंक प्राप्त की। इसके साथ तीन कैडेटों को सार्जेंट, नौ को कार्पोरल एवं 19 को लांस कार्पोरल रैंक दी गई। 64 डा. रजनीश कुमार यादव ने सभी कैडेटों को शुभकामनाएं दीं। (जासं)

गोमती नदी में नौकाओं पर किया योग का अभ्यास

संतुलन का योग : लखनऊ विश्वविद्यालय द्वारा कुड़िया घाट पर गोमती नदी मे आयोजित कार्यक्रम में विद्यार्थियों ने किया योगाभ्यास ● जागरण

जागरण संवाददाता, लखनऊ : गोमती में मंगलवार को नौकाओं पर योग और आसन का मनमोहक दृश्य दिखा। जल में नाव पर योग का अभ्यास करते हुए शिक्षक और विद्यार्थी दिखे। सुबह साढ़े पांच बजे बहुत ही प्रभावी तरीके से योग का अभ्यास किया गया। इसका आयोजन लखनऊ विश्वविद्यालय के फैकल्टी आफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन और इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फार योगिक साइंस की ओर से नौवें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर इसका आयोजन किया गया।

नौकाओं पर वृक्षासन, पर्वतासन, ताड़ासन, धनुरासन, पवनमुक्तासन, पद्मासन व भुजंगासन, प्राणायामों में नाड़ी शोधन, कपालभाति, भ्रामरी और शीतली का अभ्यास किया गया। समन्वयक डा. अमरजीत यादव ने बताया कि जल में नाव पर योग का अभ्यास करने से मन की शांति और चित्त की शुद्धि होती है। सुबह नदी के जल के पास योगाभ्यास करने से कई तरह की बीमारियां ठीक होती हैं। योगाभ्यास में रितिका मिश्रा, आस्था मिश्रा, स्मृति ओझा, संध्या कुशवाहा, अनामिका, यशी गुप्ता, लक्ष्मी रानी यादव, राजेंद्र दिवाकर, वर्षा, अर्चना, पुष्पा, नंदिता और अतुल गौतम रहीं।

नवयुग कालेज में योगाभ्यास : अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में मंगलवार को नवयुग कन्या महाविद्यालय की 9वीं उत्तर प्रदेश गर्ल्स बटालियन एनसीसी विंग तथा दर्शन शास्त्र विभाग के संयुक्त तत्वावधान में कालेज परिसर में 'हर घर आंगन योग' थीम के आधार पर योगाभ्यास किया गया। प्राचार्य प्रो. मंजुला उपाध्याय व एनसीसी अधिकारी मेजर डा. मनमीत कौर सोढ़ी ने छात्राओं को ग्रीवा, स्कन्ध चालन क्रियाओं से लेकर बैठ कर, खड़े होकर, पेट व पीठ के बल लेटकर करने वाले भुजंगासन, मकरासन, भद्रासन, वक्रासन, त्रिकोण आसन, ताड़ासन, वृक्षासन, पवनमुक्तासन, भ्रामरी, कपालभाति, अनुलोम-विलोम, ध्यान आदि का अभ्यास करवाया।

NBT PAGE 4

गोमती में नौका पर योगाभ्यास

■ एनबीटी सं., लखनऊ: 9वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के तहत मंगलवार को कुड़ियाघाट पर योगाभ्यास हुआ। सुबह करीब 5:30 बजे गोमती में खड़ी नावों पर एलयू के शिक्षकों और विद्यार्थियों को योग करते देख बड़ी संख्या में लोग जुट गए। एलयू के फैकल्टी ऑफ योग ऐंड अल्टरनेटिव मेडिसिन तथा इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर योगिक साइंस, विश्वविद्यालय अनुदान आयोग, नई दिल्ली के संयुक्त तत्वावधान में योगाभ्यास का आयोजन हुआ। इस दौरान पानी में खड़ी नावों पर बैलेंस बनाते हुए योग का अद्वितीय नजारा देखने को मिला। योगाभ्यास में फैकल्टी के कोऑर्डिनेटर डॉ. अमरजीत यादव के साथ ही रितिका मिश्रा, आस्था मिश्रा, स्मृति ओझा, संध्या कुशवाहा, अनामिका, यशी गुप्ता, लक्ष्मी रानी यादव, राजेंद्र दिवाकर, वर्षा, अर्चना, पुष्पा, नंदिता और अतुल गौतम शामिल हुए।

VoL PAGE 6

अनुसंधान और विकास पर ध्यान केंद्रित करेगा लविवि

वरिष्ठ संवाददाता (vol)

लखनऊ। लविवि ने अपने विजन प्लान में अगले दशक में विश्वविद्यालय के विकास को लक्षित करते हुए कुलपति प्रो आलोक कुमार राय के मार्गदर्शन में अपनी प्रतिबद्धता को नवीनीकृत करने और विश्वसनीयता, प्रतिस्पर्धात्मकता और सामाजिक प्रभाव को सुदृढ़ करने के लिए अनुसंधान और विकास पर ध्यान केंद्रित करने का निर्णय लिया है। अल्पकालिक लक्ष्यों (0-3 वर्ष) में विश्वविद्यालय का उद्देश्य विभिन्न विभागों में शिक्षण को सीधे संबंधित क्षेत्रों में होने वाले अनुसंधान से जोड़ना है। यह सरेखण स्नातक छात्रों को उनकी डिग्री से उन्नत शोध में आसानी से संक्रमण करने की अनुमति देगा। शोध के लिए मजबूत किए जाने वाले प्रमुख बिंदुओं में प्रदूषण, सततता, पर्यावरण के अनुकूल विकास, फार्मास्युटिकल अणु लक्षण वर्णन आदि जैसे प्रासंगिक क्षेत्रों में अत्याधुनिक केंद्रीकृत उपकरण सुविधाओं और अनुसंधान प्रयोगशालाओं की स्थापना शामिल है। इसका उद्देश्य 200 समझौता ज्ञापन (एमओयू) स्थापित करना और उद्योग के स्रोतों से 25 करोड़ रुपये के वित्तीय अनुदान को सुरक्षित करना है। क्षमता निर्माण पर अंतरराष्ट्रीय प्रोटोकॉल और मानकों में प्रशिक्षण के साथ-साथ अनुसंधान क्षमता विकास कार्यशालाओं पर भी जोर दिया जाता है। 3-7 वर्षों की अवधि में, विश्वविद्यालय का उद्देश्य अनुसंधान के लिए सुविधा का निर्माण और उद्योग-पोषित अनुसंधान केंद्रों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकारी योजनाओं में सहयोग करके अनुदान स्रोतों को बढ़ाना है। इसके अतिरिक्त, विवि का उद्देश्य क्लाउड कंप्यूटिंग प्लेटफॉर्म और उच्च-प्रदर्शन कंप्यूटिंग क्लस्टर के माध्यम से कंप्यूटिंग क्षमता को बढ़ाना है। दीर्घावधि लक्ष्यों (7-10 वर्ष) में, लखनऊ विश्वविद्यालय अनुसंधान उत्कृष्टता और शिक्षक एवं छात्रों के बीच वैज्ञानिक मूल्यों को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत है। यह एक समर्पित केंद्रीकृत कम्प्यूटेशनल प्रयोगशाला, नैदानिक परीक्षण-तैयार फार्मास्युटिकल उत्पाद विकास के लिए एक एकीकृत सुविधा के साथ अनुपालक प्रयोगशालाओं और हाई एंड तकनीकी प्रगति से लैस एक सामान्य परिष्कृत विश्लेषणात्मक अनुसंधान एवं विकास सुविधा की स्थापना करके अनुसंधान के लिए बुनियादी ढांचे को और बढ़ाने की योजना बना रहा है। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय का कहना है कि इस प्लान का अंतिम लक्ष्य विश्व स्तर पर अनुसंधान उत्कृष्टता के लिए पहचान बनाना है और भारत की ओर देख रहे अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों के लिए सभी अकादमिक विषयों में शोध भागीदार बनना है।

i-NEXT PAGE 4

रिसर्च के लिए 200 एमओयू कम्युटेशन लैब भी बनेगी

एलयू ने विजन प्लान में शोध को बढ़ावा देने के लिए तैयार किया रोडमैप

LUCKNOW (6 June): लखनऊ विश्वविद्यालय ने अपने विजन प्लान के अंतर्गत एकेडमिक के साथ-साथ शोध का बढ़ावा देने के लिए रोडमैप तैयार किया है. विश्वविद्यालय अनुसंधान में साझेदारी को बढ़ावा देने के लिए वर्ष 2025 तक विभिन्न शैक्षणिक संस्थाओं के साथ 200 एमओयू करेगा. साथ ही उद्योग के स्रोतों से 25 करोड़ रुपये के वित्तीय अनुदान को भी सुरक्षित करेगा. इसके अलावा कैंपस में उच्च स्तरीय शोध के लिए अत्याधुनिक संसाधनों वाली केंद्रीयकृत कम्युटेशन लैब भी स्थापित की जाएगी.

ग्रेजुएशन से ही किया जाएगा मोटिवेट

विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय के मुताबिक विजन प्लान का अंतिम लक्ष्य विश्व स्तर पर अनुसंधान उत्कृष्टता के लिए पहचान बनाना और अंतरराष्ट्रीय सहयोगियों के लिए सभी अकादमिक विषयों में शोध भागीदार बनना है. डीन एकेडिक्स प्रो. पूनम टंडन ने बताया कि स्नातक से ही विद्यार्थियों को शोध के लिए प्रेरित किया जाएगा ताकि पीएचडी में पहुंचने तक उन्हें शोध में आसानी हो.

ऐसे शोध को बढ़ावा जो इंडस्ट्री के काम आए

विश्वविद्यालय ऐसे शोध को बढ़ावा देगा जो समाज के साथ-साथ इंडस्ट्री के काम आए. प्रदूषण, पर्यावरण के अनुकूल विकास, फार्मास्युटिकल अणु लक्षण वर्णन आदि जैसे प्रासंगिक क्षेत्रों में शोध के लिए अत्याधुनिक केंद्रीकृत उपकरण सुविधाओं और अनुसंधान प्रयोगशालाओं की स्थापना का लक्ष्य है. विश्वविद्यालय का उद्देश्य विभिन्न विभागों में शिक्षण को सीधे संबंधित क्षेत्रों में होने वाले अनुसंधान से जोड़ना और क्लाउड कंप्यूटिंग प्लेटफार्म और उच्च स्तरीय कंप्यूटिंग क्लस्टर के माध्यम से कंप्यूटिंग क्षमता को बढ़ाना है.

TOI PAGE 4

LU's vision document focuses on research

TIMES NEWS NETWORK

Lucknow: Lucknow University (LU) has come up with a vision document that focuses on research and innovation, skill development and rankings.

Divided into three time zones -- short, mid and long term, LU will come up with state-of-the-art research labs in different fields of science and technology.

The institute also aims to bring in centralized instrumentation facility and facilitate research bond, set up state-of-art silico research, encourage eco-friendly and sustainable research on ways to reduce air and poise pollution. The institute will also work towards characterization and identification of pharmaceutical molecules and polymers.

The institute plans to nurture international collaborations and sign over 200 MoUs by 2025, partner between disciplines, partner with other institutions and encourage industry driven research. Amid the short-term goals that will be done within three years, the institute envisions training on international standards and conduct research capability development workshops.

In the mid-term goals, LU plans to get students mentored by international faculty and get PhD co-supervision by an international expert.

Vice chancellor prof Alok Rai said: "LU will strive for excellence in research and also imbibe scientific values among faculty and students. As a long-term plan, it aims further enhancing research infrastructure, and establish a dedicated centralized computational laboratory.

Dean academics prof Poonam Tandon said: "Over the next decade, we would focus on strengthening research capabilities, fostering partnerships and collaborations, enhancing funding sources, and developing state-of-the-art research infrastructure to excel in research and contribute to societal advancement."

AMRIT VICHAR PAGE 4

2025 तक 200 एमओयू साइन करेगा लविवि

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय अगले 10 वर्षों में कई क्षेत्रों में रिसर्च का मुख्य केंद्र बनेगा। साल 2025 तक 200 एमओयू किए जाएंगे। इंडस्ट्री से 25 करोड़ रूपये जुटाने का भी प्लान है। पीएचडी में अंतर्राष्ट्रीय विशेषज्ञ को सह पर्यवेक्षण बनाया जाएगा। इस बारे में जानकारी देते हुए कुलपति प्रोफेसर आलोक राय ने बताया कि एनईपी 2020 के तहत स्नातक की पढ़ाई कर रहे छात्र शिक्षण कार्य के साथ उसी क्षेत्र में अनुसंधान कर सकें। इन मुद्दों को एलयू ने अपने आगामी 10 वर्षीय रिसर्च विजन प्लान में रखा है। एलयू ने अगले 10 वर्षीय विजन प्लान को तीन श्रेणी में बांट रखा है। इसमें शार्ट टर्म गोल (0-3 वर्ष) में शिक्षण को सीधे संबंधित क्षेत्रों में होने वाले अनुसंधान से जोड़ा जाएगा। मिड टर्म गोल (3-7 वर्ष) में शोध की सुविधाओं के लिए सरकारी योजनाओं और उद्योग-पोषित शोध केंद्रों को बढ़ाने पर ध्यान होगा। वहीं लांग टर्म गोल (7-10 वर्ष) में एलयू को डाटा एनालिसिस का मुख्य केंद्र बनाने, सेंट्रलाइज्ड कम्प्यूटेशनल लेबोरेट्री और आईएफसीपीपीडी (इंटीग्रेटेड फैसल्टी फॉर क्लिनिकल ट्रायल रेडी फार्मास्यूटिकल प्रोडक्ट डेवलपमेंट) की स्थापना करने की योजना है।

गंगा हॉस्टल में नए सत्र से होंगे आवंटन

अमृत विचार, लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय के नवीन परिसर स्थित बने गंगा हॉस्टल में नए सत्र से आवंटन शुरू होगा। 200 बेड की क्षमता वाले हॉस्टल में फॉर्मेसी और मैनेजमेंट की छात्राओं को रहने की सुविधा दी जाएगी। अभी तक इन छात्राओं को इंजीनियरिंग गर्ल्स हॉस्टल आवंटित किया जाता था। डीएसडब्ल्यू ने बताया कि दीक्षांत समारोह में कुलाधिपति द्वारा गंगा हॉस्टल का लोकार्पण किया गया था। इसमें सभी तरह की सुविधाएं मौजूद है। उन्होंने बताया कि नए सत्र में सबसे पहले प्रथम सेमेस्टर की छात्राओं को आवंटित किया जाएगा। सीटें बचने पर एलएलबी पांच वर्षीय छात्राओं को दी जाएगी।

HINDUSTAN PAGE 6

गोमती पर योग से सुबह की शुरुआत

योगाभ्यास

09 वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारी शुरू

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षक और छात्रों ने मंगलवार की सुबह योगाभ्यास किया। कुड़िया घाट के पास गोमती नदी नौकाओं पर उगते सूर्य को नमस्कार करते हुए छात्रों ने कई आसन किए।

फैकल्टी ऑफ योग एंड अल्टरनेटिव मेडिसिन और यूजीसी के इंटर यूनिवर्सिटी सेंटर फॉर योगिक साइंस के संयुक्त तत्वावधान में 9वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के मद्देनजर यह कार्यक्रम आयोजित हुआ। संकायाध्यक्ष डॉ. अशोक कुमार सोनकर ने बताया कि छात्रों ने वृक्षासन, पर्वतासन, ताड़ासन, हस्तोत्तानासन, धनुरासन, पवनमुक्तासन, पद्मासन और भुजंगासन किए।

इसके अलावा कई तरह के प्राणायामों जैसे नाड़ी शोधन, कपालभाति, भ्रामरी व शीतली का अभ्यास किया गया। फैकल्टी के कोऑर्डिनेटर डॉ. अमरजीत यादव ने बताया कि प्राचीन मान्यता यह है कि जल में नाव पर योग का अभ्यास करने से व्यक्ति की जीवनी शक्ति में आशातीत वृद्धि होती है। योगाभ्यास में रितिका मिश्रा, आस्था मिश्रा, स्मृति ओझा, संध्या कुशवाहा, अनामिका, यशी गुप्ता, लक्ष्मी रानी, राजेंद्र, वर्षा, अर्चना, पुष्पा, नंदिता और अतुल ने नाव पर योगाभ्यास का किया।

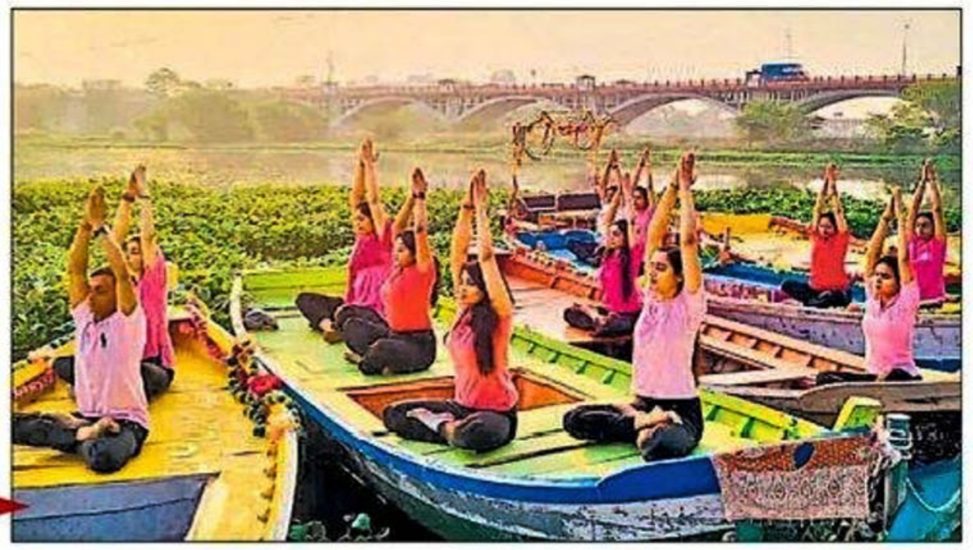
एलयू के योग एंड ऑल्टरनेटिव मेडिसिन के छात्रों ने मंगलवार को कुड़िया घाट पर गोमती में नावों पर योग किया।

YOUNG IN THE MODE AHEAD OF YOGA DAY

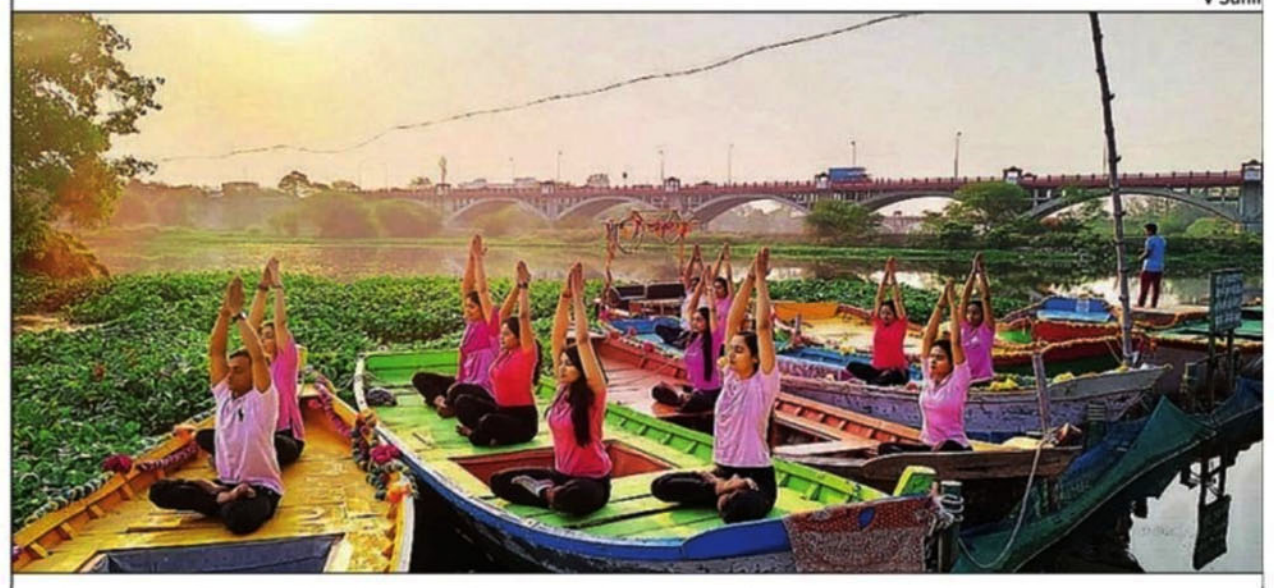
Students of Lucknow University practising yoga on boats at Kudiyaghat on Tuesday morning

एग्जाम बाद राहत की मुस्कान

Photo: Sandeep Rastogi

एलयू में कुछ क्लास के सेमेस्टर एग्जाम चल रहे हैं। ऐसे में एग्जाम देकर लौटते स्टूडेंट के चेहरे पर राहत भरी मुस्कान नजर आई।